बी. ए. ऑनर्स संस्कृत पार्ट-3 परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 3652

द्वितीय प्रश्न पत्र - भारतीय दर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. तर्कसंग्रह - अन्नंभट्ट
2. भगवद्गीता - प्रथम एवं द्वितीय अध्याय मात्र
3. भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएँ।

यह पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभक्त है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - तर्कसंग्रह का पूर्वार्द्ध भाग।

द्वितीय इकाई - तर्कसंग्रह का उत्तरार्द्ध भाग।

तृतीय इकाई - भगवद्गीता का प्रथम अध्याय

चतुर्थ इकाई - भगवद्गीता का द्वितीय अध्याय।

पंचम इकाई - भारतीयदर्शन की मूल अवधारणाएँ।

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है -

1. भारतीय दर्शन के सम्प्रदाय।
2. भारतीय दर्शनों के प्रमुख ग्रन्थ।
3. आत्मा, ईश्वर, जगत्, कार्यकारण सिद्धान्त, कर्मसिद्धान्त, मोक्ष सिद्धान्त का तुलनात्मक परिचय।

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड 20 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे जिनके उत्तर अत्यन्त संक्षेप में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

द्वितीय खण्ड 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका शतप्रतिशत विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

क. तर्कसंग्रह के पूर्वार्द्ध भाग से कोई दो सूत्र देकर एक की व्याख्या करने को कहा जाएगा। 10 अंक

ख. तर्कसंग्रह के उत्तर भाग से कोई दो सूत्र देकर एक की व्याख्या करने को कहा जाएगा। 10 अंक

ग. भगवद्गीता के प्रथम अध्याय से कोई दो श्लोक देकर एक की सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या करने को कहा जाएगा। 10 अंक

घ. भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से कोई दो श्लोक देकर एक की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाएगा। 10 अंक

ङ. पंचम इकाई में उल्लिखित भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं पर आधारित कोई दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड - 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनका शत-प्रतिशत विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। इनका उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना अपेक्षित है। इनका विस्तृत विवरण निम्न है -

प्रथम प्रश्न के आधार निम्नलिखित बिन्दु होंगे। 15 अंक

1. तर्कसंग्रह की विषयवस्तु
2. भगवद्गीता की विषय-वस्तु।

द्वितीय प्रश्न के आधार निम्नलिखित बिन्दु होंगे । 15 अंक

1. भारतीय दर्शन के विभिन्न सम्प्रदाय।
2. आत्मा, ईश्वर, जगत्, कार्यकारण सिद्धान्त, कर्म सिद्धान्त, मोक्ष सिद्धान्त का तुलनात्मक परिचय ।

सहायक पुस्तकें:-

1. भारतीय दर्शन - दत्ता एवं चट्टोपाध्याय
2. भारतीय दर्शन - पं. बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - एम. हिरियन्ना, अनु. डॉ. गोवर्धन भट्ट

*****